वर्ष -2016-17:

i. फैलोशिप :

तालिका (18)

क्र.सं.	फैलोशिप	संख्या	अनुमोदित राशि (रूपए में)
1.	दीर्घ अवधि विदेशी	7	18230000
2.	दीर्घ अवधि भारतीय	2	620000
3.	लघु अवधि विदेशी	6	3884000
4.	लघु अवधि भारतीय	1	180000
5.	ब्रेक लेने वाली महिलाएं	12	15703496
6.	युवा वैज्ञानिक	10	14099500
7.	NRI/PIO/OCI	-	-
8.	सम्मेलन में सहयोग	1	100000
9.	स्टार्ट–अप ग्रांट्स	11	15474467
10	फैलोशिप के लिए दूसरी ग्रांट	19	22393178
कुल अनुमोदित राशि			**9,06,84,641**

ii.) संस्थानों को सहयोग

तालिका (19)

क्र.सं.	संस्थान का नाम	क्षेत्र	अनुमोदित राशि (रूपए में)
1.	गवर्नमेंट थेनी मेडीकल कालेज, थेनी, तमिलनाडु	विषाणु विज्ञान	5583889
2.	गंगा अस्पताल, कोयम्बटूर	मेरूदण्ड की चोट	6000000
3.	मूविंग एकेडमी ऑफ मेडिसिन एंड बायोमेडिसिन, गुरूग्राम	निदान प्रयोगशाला प्रथाएं	4494417
4.	दूसरे वर्ष 8 संस्थानों को सहयोग के लिए ग्रांट		6475890
कुल अनुमोदित राशि			**2,25,54,196**

वर्ष 2016-17 के लिए कुल अनुमोदित राशि रु 13.00 करोड़ है। दिसम्बर 2016 तक रु 9.15 करोड़ का उपयोग हुआ।

अध्याय 8 पूर्वोत्तर क्षेत्र में योजनाओं का क्रियान्वयन

1.1 विभाग 2013–14 से क्रियान्वयन के लिए ली गई निम्नलिखित पांच स्कीमों के अंतर्गत पूर्वोत्तर क्षेत्र में प्रस्तावों के अनुमोदन को सुनिश्चित करने के लिए काफी ध्यान दे रहा है और सक्रिय कदम भी उठा रहा है:

1) महामारियों और प्राकृतिक आपदाओं के प्रबंधन के लिए अनुसंधान प्रयोगशालाओं के नेटवर्क की स्थापना

2) सरकारी मेडीकल कालेजों में बहु–शाखीय अनुसंधान इकाइयों **(MRUs)** की स्थापना

3) राज्यों में मॉडल ग्रामीण स्वास्थ्य अनुसंधान इकाइयों **(MRHRUs)** की स्थापना

4) स्वास्थ्य अनुसंधान के लिए मानव संसाधन विकास के लिए योजना

5) स्वास्थ्य अनुसंधान को बढ़ावा देने और निर्देशन के लिए अंतरक्षेत्रीय अभिसरण और समन्वयन के लिए ग्रांट–इन–एड स्कीम

1.2 पूर्वोत्तर राज्यों में उपरोक्त स्कीमों के क्रियान्वयन की योजनाओं की स्थिति इस प्रकार है:

(1) महामारियों और प्राकृतिक आपदाओं के प्रबंधन के लिए अनुसंधान प्रयोगशालाओं के नेटवर्क :

1.3 योजना के अंतर्गत निम्नलिखित संस्थानों में विषाणुविज्ञान अनुसंधान एवं निदान प्रयोगशालाओं (VRDLs) को अनुमोदित किया गया:

तालिका (20)

क्रम संख्या	राज्य का नाम	**VRDL** अनुमोदित मेडीकल कालेज का नाम	निर्मुक्त निधि (रुपए लाखों में)	
			2013-14 to 2015-16	**2016-17** (दिसम्बर 2016 तक)
1	असम	क्षेत्रीय चिकित्सा अनुसंधान केन्द्र (आरएमआरसी), आईसीएमआर, डिब्रूगढ़ **(रीजनल लैब)**	631.00	-
		गुवाहाटी मेडीकल कालेज, गुवाहाटी **(राज्य स्तर की लैब)**	297.00	-
		तेजपुर मेडीकल कालेज एवं अस्पताल, तेजपुर जिला सोनितपुर **(मेडीकल कालेज स्तर की लैब)**	167.10	-
		जोरहाट मेडीकल कालेज एवं अस्पताल जिला – जोरहाट **(मेडीकल कालेज स्तर की लैब)**	173.90	-

		फखरूद्दीन अली अहमद मेडीकल कालेज एवं अस्पताल, जिला – बारपेटा **(मेडीकल कालेज स्तर)**	कुछ कोडल औपचारिकताओं के पूरा हो जाने के बाद निधि निर्मुक्त की जाएगी।	
		सिल्चर मेडीकल कालेज, सिल्चर **(मेडीकल कालेज स्तर की लैब)**		
2.	मणिपुर	रीजनल इंस्टीट्यूट ऑफ मेडीकलसाइंसेज, इंफाल **(राज्य स्तर की लैब)**		196.37 (काम जारी)
		जवाहरलाल नेहरुइंस्टीट्यूट ऑफ मेडीकलसाइंसेज, इंफाल **(मेडीकल कालेज स्तर की लैब)**	157.00	30.00 (काम जारी)
3.	मेघालय	नार्थ ईस्टर्न इन्दिरा गांधी रीजनल इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ एंड मेडीकल साइंसेज (NEIGRIHMS), शिलांग **(राज्य स्तर की लैब)**	297.00	-
4.	त्रिपुरा	गवर्नमेंट मेडीकल कालेज, अगरतला **(मेडीकल कालेज स्तर की लैब)**	130.00	30.00 (काम जारी)

(2) सरकारी मेडीकल कालेजों में बहु–शाखीय अनुसंधान इकाइयों **(MRUs)** की स्थापना **:**

तालिका (21)

क्रम संख्या	राज्य का नाम	**MRU** अनुमोदित मेडीकल कालेज का नाम	निर्मुक्त निधि (रुपए लाखों में)	
			2013-14, 2014-2015 & 2015 -16	**2016-17** (दिसम्बर 2016 तक)
1	असम	सिल्चर मेडीकल कालेज एवं अस्पताल , सिल्चर	125.00	-
		फख रूद्दीन अली अहमद मेडीकल कालेज, बारपेटा	125.00	-
2.	मणिपुर	रीजनल इंस्टीट् यूट ऑफ मेडीकल साइंसेज, इंफाल	250.00	-
3.	त्रिपुरा	अगरतला गवर्नमेंट मेडीकल कालेज, अगरतला	125.00	-

1.4 उत्तर पूर्वी राज्यों में 10 मेडीकल कालेज हैं। बारहवीं योजना अवधि के दौरान कुछ अन्य मेडीकल कालेजों को कवर करने के प्रयास किए जाएंगे।

(3) राज्यों में मॉडल ग्रामीण स्वास्थ्य अनुसंधान इकाइयां (MRHRUs) :

1.5निम्नलिखित उत्तर पूर्वी राज्यों में **MRHRUs** को अनुमोदित किया गया:

तालिका (22)

क्रम संख्या	राज्य	**MRHRU** का स्थान	**ICMR** मेनटॉर संस्थान / केंद्र	संबंधित मेडीकल कालेज	निर्मुक्त निधि (रुपए लाखों में)	
					2013-14 2014-2015 & 2015-16	**2016-17** (दिसम्बर 2016 तक)
1	असम	PHC छाबुआ	RMRC, डिब्रूगढ़	असम मेडीकल कालेज एंड हॉस्पिटल, डिब्रूगढ़	250.00	40.57
2.	त्रिपुरा	खेरंगबार हॉस्पिटल, खुमुलवंग	RMRC, डिब्रूगढ़	अगरतला गवर्नमेंट मेडीकल कालेज	300.00	0.00

(4) स्वास्थ्य अनुसंधान के लिए मानव संसाधन विकास के लिए योजना

तालिका (23)

	रुपए लाखों में	
राज्य का नाम	**2013-14 to 2015-16**	**2016-17** (दिसम्बर 2016 तक)
मणिपुर **(2** फैलोशिप **)** असम **(5** फैलोशिप **)** नागालैंड **(4** फैलोशिप **)** त्रिपुरा **(1** फैलोशिप **)**	**78.56**	**10.86**

(5)स्वास्थ्य अनुसंधान को बढ़ावा देने और निर्देशन के लिए अंतरक्षेत्रीय अभिसरण और समन्वयन के लिए ग्रांट–इन–एड योजना

उत्तर पूर्वी राज्यों में योजना का क्रियान्वयन:

तालिका (24)

(रुप्ए लाखों में)

राज्य का नाम	2013-14 to 2015-16	2016-17 (दिसम्बर 2016 तक)
मेघालय (एक परियोजना)	26.86	-
असम (एक परियोजना)	-	37.17

अध्याय 9 भोपाल मेमोरियल अस्पताल एवं अनुसंधान केन्द्र (बीएमएचआरसी), भोपाल

9.1 भोपाल मेमोरियल अस्पताल एवमं अनुसंधान केन्द्र (बीएमएचआरसी) की स्थापना 1998 में भोपाल मैमोरियल हॉस्पिटल ट्रस्ट (BMHT) के अंतर्गत माननीय सुप्रीम कोर्ट के निर्देशानुसार भोपाल गैस त्रासदी, भोपाल में 2–3 दिसम्बर 1984 की रात को हुयी गैस रिसाव दुर्घटना, जिसे विश्व की सबसे घातक औद्योगिक दुर्घटना मानी गयी, के शिकार लोगों को मुफ्त स्वास्थ्य सुरक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से की गई थी।

9.2 सुप्रीम कोर्ट ने दिनांक 19.7.2010 को ट्रस्ट को बंद करके भारत सरकार को अस्पताल जैवप्रौद्योगिकी विभाग और परमाणु ऊर्जा विभाग के जरिए चलाने का आदेश दिया है। इसके बाद 4 जनवरी 2012 को हुई यूनियन कैबिनट की बैठक में बीएमएचआरसी का प्रशासनिक नियंत्रण स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय को स्थानांतरित करने का निर्णय लिया गया।

9.3 बीएमएचआरसी, एक 350 बिस्तरों वाला सुपर स्पेशिलिटी अस्पताल है जिसे निम्न उद्देश्यों से स्थापित किया गया है:

- गैस के सभी पंजीकृत शिकारों और उनके अधिकारिक आश्रितों को अत्याधुनिक सुपर स्पेशिलिटी चिकित्सा सुविधाएं प्रदान करना।
- अस्पताल में सभी विषयों में मूल, क्लीनिकल और जानपदिक अनुसंधान करना
- मानव ऊतकों पर मिथाइल आइसोसायनेट के दीर्घ अवधि प्रभावों का पता लगाना और उपलब्धियों के आधार पर उपचार के तौर तरीके की योजना बनाना
- डॉक्टरों, नर्सों और पैरामेडीकल कर्मियों को प्रशिक्षित करने के लिए वर्तमान अवसंरचना का उपयोग करना

9.4 अस्पताल और उससे जुड़े अकादमिक संस्थानों के आठ सुसज्जित केंद्र हैं।

9.5 2016 की प्रमुख उपलब्धियां इस प्रकार हैं:

<u>रोगियों की देखभाल</u>

- नवंबर 2016 तक अस्पताल में गैस त्रासदी से प्रभावित कुल 387730 लोगों और 31091 आश्रितों को पंजीकृत किया गया।
- जनवरी से नवंबर 2016 तक अस्पताल की ओपीडी में **204439** रोगियों का उपचार किया गया। उपरोक्त अवधि में अस्पताल में दाखिल कुल रोगियों की संख्या **10380** है।

<u>अकादमिक</u>

- बीएमएचआरसी में एनेस्थिसिओलॉजी और क्रिटिकल केयर पर डीएनबी पाठ्यक्रम सफलतापूर्वक आयोजित किया गया और इस वर्ष चार विद्यार्थी परीक्षा में शामिल हुए।
- शिक्षण और अकादमिक कार्यक्रम बीएमएचआरसी में नियमित गतिविधियां हैं। वर्ष 2016 में, एमपी मेडीकल साइंस यूनिवर्सिटी, जबलपुर से संबद्ध, भोपाल नर्सिंग कालेज में अकादमिक वर्ष 2016 से 2017 के लिए बी एससी नर्सिंग और एम एससी नर्सिंग कार्यक्रम सफलतापूर्वक प्रारम्भ किए गए।
- वर्ष 2016 में पहले और दूसरे वर्ष के पोस्ट बेसिक बी एससी नर्सिंग के विद्यार्थियों ने शत प्रतिशत परिणाम प्राप्त किए। इसके लिए सभी पहले दस स्थान भोपाल नर्सिंग कालेज, बीएमएचआरसी के विद्याथियों ने प्राप्त किए।
- इसके अतिरिक्त, बीएमएचआरसी में विद्यार्थियों के लिए विभिन्न शाखाओं में वर्ष के दौरान अनेक लघु अवधि प्रशिक्षण एवं इन्टर्नशिप कार्यक्रम आयोजित किए गए यथा पैथोलॉजी,

माइक्रोबायलॉजी, फिजियाथिरैपी, नर्सिंग, अस्पताल प्रबंधन, आहारिकी, मनोचिकित्सा, और मानसिक स्वास्थ्य, अनुसंधान आदि। एम्स, भोपाल के नर्सिंग एवं एमबीबीएस के विद्यार्थियों को बीएमएचआरसी की मनोचिकित्सा विभाग में क्लीनिकल पोस्टिंग के लिए पोस्ट किया गया।

- मनोचिकित्सा विभाग में, राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन के समन्वयन में जिला मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम के लिए मध्य प्रदेश के विभिन्न जिलों से चिकित्सा अधिकारियों और स्टाफ नर्सों को प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

अनुसंधान

- वर्ष 2016 में, दस विद्यार्थियों को लघु अवधि यंत्रीकरण प्रशिक्षण दिया गया, दो विद्यार्थियों को पांच महीनों तक शोध में प्रशिक्षण लिया, पांच विद्यार्थियों ने विभाग में ग्रीष्म प्रशिक्षण लिया। 'डीजिज वर्सेस डायग्नॉस्टिक्स – मॉलिक्युलर साइटोजेनेटिक्स' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सिम्पोजियम एवं कार्यशाला आयोजित की गयी जिसमें 41 लोगों ने भाग लिया।

- इस विभाग के नौ सदस्यों ने विशिष्ट वर्ग में एनआईई, आईसीएमआर द्वारा हेल्थ रिसर्च फंडामेंटल्स पर आयोजित ऑन लाइन NIeCer को पास किया।

- अनेक फैकल्टी सदस्यों ने विभिन्न राष्ट्रीय सम्मेलनों के साथ साथ प्रकाशनों में अनेक शोध पत्र प्रस्तुत किए।

सुविधाओं/अवसंचरनाओं का उन्नयन

BMHRC द्वारा प्रदत्त क्लीनिकल सेवाओं को और बेहतर बनाने के लिए, पुराने काम न करने वाले उपकरणों को विस्थापित करने के लिए नवीन उपकरणों की सरकारी खरीद जारी है और निम्न उपकरणों के लिए आदेश दिया जा चुका है और स्थापन कार्य जारी है।

i. हीमोडायलिसिस मशीन

ii. डिजिटल सबट्रेक्शन एंजिओग्राफी

iii. एनेस्थीसिया के लिए चार वर्कस्टेशन

iv. सतत गुर्दा प्रत्यारोपण थिरैपी मशीन

आगे 19 विभिन्न उपकरणों की सरकारी खरीद होनी है।

माइक्रोबायलॉजी विभाग में जैव–सुरक्षा स्तर तीन की प्रयोगशाला स्थापित की गई। माइक्रोबायलॉजी विभाग को ट्यूबरकुलोसिस के लिए नेशनल रेफरेन्स लैबोरेट्री के रूप में नामित किया गया।

बीएमएचआरसी वेबसाइट को एक ऊर्जस्वी वेबसाइट में बदलने के लिए और तदनुसार अद्यतन करने के लिए प्रोसेस किया गया और उन्नयन जारी है।

बजट विनियोजन (2016-17) तथा आज तक निर्मुक्त निधि इस प्रकार है

तालिका (25)

(रुपए करोड़ में)

बजट शीर्ष	संशोधित बजट विनियोजन	निर्मुक्त निधि
ग्रांट–इन–एड : वेतन	70.00	53.55
ग्रांट–इन–एड : सामान्य	30.00	25.00
प्रमुख परिसंपत्ति के सृजन के लिए ग्रांट	40.00	21.61
कुल	**140.00**	**100.16**

भोपाल मेमोरियल अस्पताल एवं अनुसंधान केन्द्र (बीएमएचआरसी)

भोपाल मेमोरियल अस्पताल एवं अनुसंधान केन्द्र (बीएमएचआरसी) के भीतर का दृश्य

भोपाल मेमोरियल अस्पताल एवं अनुसंधान केन्द्र (बीएमएचआरसी) में उन्नत शल्य चिकित्सा सुविधा

अध्याय 10 भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (ICMR)

10.1 भारत में जैवचिकित्सा अनुसंधान के नियमन, समन्वयन और सवंर्धन के लिए भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (ICMR), नई दिल्ली एक शीर्ष निकाय है। यह विश्व के प्राचीनतम अनुसंधान निकायों में से एक है। आईसीएमआर भारत सरकार, स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के माध्यम से निधिबद्ध है।

10.2 संघीय स्वास्थ्य मंत्री आईसीएमआर के शासी परिषद के अध्यक्ष होते हैं। जैवचिकित्सा की विभिन्न शाखाओं के प्रतिष्ठित विशेषज्ञों का वैज्ञानिक सलाहकार बोर्ड, वैज्ञानिक एवं तकनीकी मामलों में उसकी सहायता करता है। बोर्ड की वैज्ञानिक सलाहकार समूह, वैज्ञानिक सलाहकार समितियां, विशेषज्ञ समूह, टास्क फोर्स, परिचालन समितियों आदि की पूरी श्रृंखला सहायता करती है जो परिषद की विभिन्न अनुसंधान गतिविधियों का मूल्यांकन करती हैं एवं मॉनीटर करती हैं।

10.3 परिषद की अनुसधान प्राथमिकताएं, राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राथमिकताओं से मिलती हैं जैसे कि संक्रामक रोगों का नियंत्रण और प्रबंधन, प्रजनन नियंत्रण, मां और बच्चे का स्वास्थ्य, पोषण संबंधी रोगों का नियंत्रण, हेल्थ केयर डिलीवरी के लिए वैकल्पिक नीतियों का विकास, पर्यावरण की सुरक्षा सीमाओं में नियंत्रण और रोजगार संबंधी स्वास्थ्य समस्याएं; प्रमुख असंचारी रोगों जैसे कैंसर, कार्डियोवैस्कुलर रोग, अंधता, मधुमेह और अन्य उपापचयी एवं हीमेटोलॉजिकल रोग; मानसिक स्वास्थ्य और औषधि अनुसंधान (पारंपरिक उपचार सहित) विषयों पर शोध । ये सभी प्रयास रोगों के कुल भार को कम करने और लोगों के स्वास्थ्य एवं कल्याण के लिए किए जाते हैं।

इन्ट्राम्यूरल अनुसंधान

10.4 इकतीस संस्थानों/केंद्रों के नेटवर्क के जरिए देश भर में इन्ट्राम्यूरल अनुसंधान किए गए जिसमें से 17 संक्रामक रोगों, छः असंचारी रोगों, दो प्रजनन एवं शिशु स्वास्थ्य (RCH) से संबंधित रोगों पर, तीन पोषण की कमी और तीन हीमोग्लोबिनोपैथीज और पारंपरिक चिकित्सा सहित मूल चिकित्सा विज्ञान से संबंधित रोगों से संबद्ध हैं।

एक्सट्राम्यूरल अनुसंधान

10.5 आईसीएमआर द्वारा चुने गए मेडीकल कालेजों, विश्वविद्यालयों एवं अन्य गैर–आईसीएमआर अनुसंधान संस्थानों के विभागों में मौजूद विशेषज्ञता और अवसंरचना को लेकर विभिन्न क्षेत्रों में उन्नत अनुसंधान के केंद्र स्थापित करके एक्सट्राम्यूरल अनुसंधान को बढ़ावा दिया जाता है। टास्क फोर्स अध्ययन, जो स्पष्ट रूप से बताए गए लक्ष्यों, विशिष्ट समय सीमा, मानकीकृत एवं समान क्रियाविधियों और अकसर एक बहु–केंद्रीस रचना सहित एक समय आधारित, लक्ष्य अभिविन्यस्त अभिगम पर जोर देते हैं।

10.6 देश के विभिन्न भागों में स्थित गैर–आईसीएमआर अनुसंधान संस्थानों, मेडीकल कालेजों, विश्वविद्यालयों आदि में वैज्ञानिकों से प्राप्त ग्रांट–इन–एड के लिए प्रार्थना पत्रों के आधार पर ओपन–एंडेड अनुसंधान।

वर्ष की उपलब्धियां:

- वीसीआरसी, पुदुचेरी द्वारा एनवीबीडीसीपी की आपूर्ति के लिए कीटनाशी भरे पेपर्स सफलतापूर्वक तैयार किए गए। तीसरी पार्टी द्वारा सत्यापन के लिए इन पेपर्स पर काम चल रहा है।

- आईसीएमआर वाहक नियंत्रण के लिए नवीन नीतियां खोजने में लगा है। आईसीएमआर एडीस मच्छर के लिए वॉलबेचिया आधारित वाहक नियंत्रण विधि पर काम करने के लिए मोनाश विश्वविद्यालय के साथ MoU पर हस्ताक्षर करने की प्रक्रिया में है।

- रिकेटसियल संक्रमण के निदान और प्रबंधन पर दिशानिर्देश नियमित किए गए और आईसीएमआर की वेबसाइट पर डाले गए।

- विभिन्न जैवचिकित्सीय विषयों यथा एलर्जी, शरीर विज्ञान, नाड़ी विज्ञान, जैवरसायन, कोशिकीय और आण्विक जीवविज्ञान, जीनोमिक्स, हीमेटोलॉजी, मानव आनुवंशिकी, प्रतिरक्षा विज्ञान, नैनो–मेडिसिन,अंग प्रत्यारोपण, फार्माकोलॉजी, कायिकी, स्तंभ कोशिका अनुसंधान, पारंपरिक औषधियां, विष विज्ञान आदि में देश के अनेक अनुसंधान संस्थानों, विश्वविद्यालयों में लगातार आण्विक चिकित्सा केंद्र, एडवान्स्ड सेंटर्स ऑफ रिसर्च, टास्क फोर्स परियोजनाएं और गैर संहिताबद्ध पारंपरिक नियमनों का सत्यापन जारी है।

- संभावित अनुवादक महत्व के नए विचारों के प्रस्तावों को बढ़ावा देने के लिए मेडीकल इनोवेशन स्कीम के अंतर्गत अध्ययन आरंभ किए गए।

- क्लीनिकल फार्माकोलॉजी कार्यक्रम के अंतर्गत एंटी–ट्यूबरकुलर औषधि प्रबंधन और ADRs की रोकथाम पर दिशानिर्देश तैयार किए गए और विश्व टीबी दिवस पर जारी किए गए।

- जनजातीय स्वास्थ्य अनुसंधान, वाहक जनित रोग, विज्ञान फोरम एवं मेडीकल कालेजों के लिए विशेष कार्यक्रमों पर आईसीएमआर के प्रमुख कार्यक्रमों ने नियमित प्रगति की जिससे तपेदिक, मलेरिया, पोषण आदि पर नए अनुसंधान कार्यक्रमों का विकास हुआ।

- हिमाचल प्रदेश के लाहौल एवं स्पीति क्षेत्र में केलांग में जनजातीय लोगों की स्वास्थ्य समस्याओं पर काम करने के लिए एनआईआरटीएच के नए फील्ड स्टेशन की स्थापना की गई और चंद्रपुर, महाराष्ट्र में सिकिल सैल अनीमिया तथा G6PD के क्षेत्र में एनआईआईएच के सैटेलाइट सेंटर ने काम करना आरंभ कर दिया।

- वर्ष के दौरान, निपाह विषाणु, सीसीएचएफ, जिका जैसे नवीन संक्रमणों/प्रकोपों की सफलतापूर्वक जांच की तैयारी की गयी।

- अनुसंधान से मिले संकेतों पर अनुवादक कार्यक्रम आगे विकास, परीक्षण एवं सत्यापन पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। आईसीएमआर ने एक माइक्रोन्यूट्रीएंट मिक्स के साथ साथ एक मोबाइल रूप तैयार किया है जिसमें कुपोषण की रोकथाम हेतू सूक्ष्म पोषक की अनुमोदित दैनिक मात्राओं का वर्णन है।

  आईसीएमआर ने टीबी नियंत्रण के लिए बेहतर हल ढूंढने हेतु इंडिया टीबी रिसर्च कन्सोर्शियम के साथ काम करने के लिए प्रक्रिया आरंभ की है।

- सार्वजनिक निजी भागीदारी (पीपीपी) मोड में मध्य प्रदेश में मलेरिया उन्मूलन के लिए सन फार्मा के साथ एक एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए।

- क्रियान्वयन अनुसंधान मोड के अंतर्गत राष्ट्रीय कुष्ठ उन्मूलन कार्यक्रम **(NLEP)** द्वारा अब माइकोबैक्टीरियम इंडिकस प्रानी **(MIP)** वैक्सीन ले ली गयी है। एंटीमाइक्रोबियल सर्विलांस नेटवर्क और रोटावाइरस सर्विलांस नेटवर्क जैसे सर्विलांस नेटवर्क प्रतिरोध पर नजर रखने एवं नयी वैक्सीन की प्रभाविता का पता लगाने में सहायक हैं।

- मानव संसाधन विकास (एचआरडी) के अंतर्गत, आईसीएमआर ने राष्ट्रीय स्तर की परीक्षा के जरिए 150 जेआरएफ, 1032 मेडीकल अंडरग्रेजुएट्स को लघु अवधि स्टूडेंटशिप (एसटीएस) के लिए चुना है, 16 अभ्यर्थियों को पोस्ट–डॉक्टोरल फैलोशिप (पीडीएफ) ग्रांट दी गयी और कुल 245 सेमीनार/सिम्पोजिया/कॉन्फ्रेन्स के लिए वित्तीय सहायता दी गई तथा 121 प्रार्थियों को विदेश यात्रा के लिए सहायता दी गई। तीन विश्वविद्यालयों में एमडी/पीएच डी कार्यक्रम जारी हैं और 14 विद्यार्थी इसमें लगे हैं। पांच सौ से अधिक गैर–आईसीएमआर वैज्ञानिकों को विदेश में कॉन्फ्रेन्स में भाग लेने के लिए वित्तीय सहायता दी गई। आईसीएमआर संस्थानों में विभिन्न राज्य स्तर के अधिकारियों को प्रशिक्षण प्रदान करना जारी है।

- स्वास्थ्य अनुसंधान में अंतरराष्ट्रीय सहयोग के अंतर्गत, वर्ष के दौरान विभिन्न अंतरराष्ट्रीय संगठनों/समितियों के साथ तीन एमओयूएस के अंतर्गत स्वास्थ्य अनुसंधान में भागीदारी जारी रही। विभिन्न अंतरराष्ट्रीय सहयोग कार्यक्रमों/परियोजनाओं के लिए वैज्ञानिकों के सात प्रत्यार्पण दौरे आयोजित किए गए। अंतरराष्ट्रीय अनुसंधान सहयोग के लिए – वर्ष के दौरान हुयी स्वास्थ्य मंत्रालय की स्क्रीनिंग समितियों की बैठकों में 105 परियोजनाओं को मंजूरी दी गयी। 2016–17 के दौरान कुल 12 कनिष्ठ वैज्ञानिकों और 6 वरिष्ठ वैज्ञानिकों को आईसीएमआर इंटरनेशनल फैलोशिप के लिए चुना गया।

- विभिन्न राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय शोध पत्रिकाओं में आईसीएमआर के वैज्ञानिकों के कुल 720 शोध पत्र प्रकाशित हुए। कुल 12 पेटेंट फाइल किए गए और एक को ग्रांट मिली।

- वर्ष के दौरान स्वास्थ्य अनुसंधान के विभिन्न क्षेत्रों में फैलोशिप सहित 466 एक्सट्राम्युरल अनुसंधान परियोजनाओं को आईसीएमआर ने निधिबद्ध किया।

उद्योग को हस्तांतरित प्रौद्योगिकियां

1. भेड़ और बकरियों में एंटी क्रीमियन-कांगो हीमोरेजिक फीवर वाइरस (CCHFV) की एंटीबॉडीज के विलगन के लिए IgG (इम्युनोग्लोबुलिन G) आमापन का विकास – मैसर्स कैडिला हेल्थकेयर प्रा. लि., अहमदाबाद को प्रौद्योगिकी हस्तांतरित की गई।

2. एंटी क्यासानुर फॉरेस्ट डीजीज वाइरस (KFDV) की एंटीबॉडीज के विलगन के लिए IgM आमापन का विकास – मैसर्स कैडिला हेल्थकेयर प्रा. लि., अहमदाबाद को प्रौद्योगिकी हस्तांतरित किया गया।

3. गोपशुओं में एंटी क्रीमियन-कांगो हीमोरेजिक फीवर वाइरस (CCHFV) की एंटीबॉडीज के विलगन के लिए IgG आमापन का विकास – मैसर्स कैडिला हेल्थकेयर प्रा. लि., अहमदाबाद को प्रौद्योगिकी हस्तांतरित किया गया।

4. एंटी चांदीपुर वाइरस (CHPV) की एंटीबॉडीज के विलगन के लिए IgM आमापन का विकास – मैसर्स कैडिला हेल्थकेयर प्रा. लि., अहमदाबाद को प्रौद्योगिकी हस्तांतरित किया गया।

5. MAb आधारित एंटीजन कैप्चर ELISA का प्रयोग कर मच्छर से जापानी एन्सिफेलाइटिस विषाणु का विलगन – मैसर्स कैडिला हेल्थकेयर प्रा. लि., अहमदाबाद को प्रौद्योगिकी हस्तांतरित।

6. बच्चों और मुर्गियों में रोटावाइरस संक्रमण के विरुद्ध IgY एंटीबॉडीज का उपयोग – वेंकीज (भारत) लि. पुणे को प्रौद्योगिकी हस्तांतरित की गई।

7. तंबाकू की कटाई करने वालों के लिए नायलोन से बुने सीमलैस दस्ताने – ब्यूरो ऑफ स्टैंडर्ड (BIS), नई दिल्ली ने इन दस्तानों के लिए 'राष्ट्रीय मानक' को अंतिम रूप दिया और एक आईएस नं. 16390:2015 जारी किया और आम उपयोग के लिए इसके विनिर्देशों को 6 नवंबर 2015 से लागू करने के लिए राजपत्रित किया। श्री संतोष कुमार गंगवार, माननीय राज्य कपड़ा मंत्री (स्वतंत्र भार), भारत सरकार ने कपड़ा मंत्रालय, भारत सरकार एवं फिक्की द्वारा 29 जनवरी 2016 को आयोजित 'कर्टेन रेजर ऑफ टेक्नोटेक्स 2016' के समारोह में इस तकनीक को रिलीज किया।

आगे आने वाली प्रौद्योगिकियां

1. डेंगु और चिकनगुनिया के लिए मल्टीप्लेक्स आरटी–पीसीआर।

2. रोटावाइरस के लिये, ईएलआईएसए।

3. क्यासानुर वन रोग के लिए एंटी.KFD IgG ELISA का विकास ।

4. एंटी -CCHF Human IgG ELISA आमापन का विकास।

5. एंटी -CCHF Human IgM ELISA आमापन का विकास।

6. क्यासानुर वन रोग (केएफडी) रियल टाइम आरटी–पीसीआर।

7. आंत्र विषाणुओं के लिए पेयजल परीक्षण के लिए प्रौद्योगिकी ।

8. एक नवीन अभिगम का उपयोग कर हिपेटाइटिस ई एव ंबी वैक्सीनों के संयोजन और हिपेटाइटिस ई वैक्सीन के लिए रिकम्बिनेंट वैक्सीन का विकास।

9. क्यासानुर वन रोग के लिये (केएफडी) नेस्टेड आरटी–पीसीआर का विकास।

10. वि. कॉलेरी के विभिन्न सीरो–वर्गों की पहचान के लिए क्वाड्रूप्लेक्स पीसीआर का विकास।

अनुलग्नक

BE/RE 2016-17 और दिसम्बर 2016 तक वास्तविक खर्चे एवं BE 2017-18 (रुपए करोड़ों में)

क्रम संख्या	स्कीम/कार्यक्रम	बजट शीर्ष	2016-17			2016-17			2017-18
			नियोजित			अनियोजित			BE
			BE	RE	दिसम्बर 2016 तक वास्तविक खर्चा	BE	RE	दिसम्बर 2016 तक वास्तविक खर्चा	
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
1	सचिवालय– सामाजिक सेवाएं	सचिवाल य– सामाजिक सेवाएं	0.00	0.00	0.00	10.80	10.80	5.38	12.00
2	स्वास्थ्य अनुसंधान के लिए मानव संसाधन विकास	चिकित्सा और स्वास्थ्य में अनुसंधान में उन्नत प्रशिक्षण	11.75	11.75	9.15	-	-	-	18.00
		चिकित्सा और स्वास्थ्य अनुसंधान में अंतरराष्ट्रीय सहयोग	1.00	1.00	0.18	-	-	-	1.00
3	अंतरक्षेत्रीय अभिसरण एवं बढ़ावे के लिए ग्रांट–इन–एड स्कीम तथा अनुसंधान संचालन मुद्दों पर निर्देशन	चिकित्सा, जैवचिकित्सा और स्वास्थ्य अनुसंधान में अंतरक्षेत्रीय समन्व यन	12.75	12.75	10.04	-	-	-	18.00
		अनुसंधान संचालन मुद्दों पर निर्देशन और बढ़ावा	0.00	0.00	0.00	-	-	-	5.00
		चिकित्सा और स्वास्थ्य अनुसंधान में वैज्ञानिक समितियों और संघों, खैराती और धार्मिक दान से संबंधित मामले	0.00	0.00	0.00	-	-	-	-
		सरकारों/संगठनों के साथ समन्वयन	0.00	0.00	0.00	-	-		-
4	महामारि यों, राष्ट्रीय आपदाओं का प्रबंधन	महामारि यों, प्राकृतिक आपदाओं से संबंधित मामले और प्रकोपों को रोकने के लिए साधनों का विकास	37.25	37.25	33.93	-	-	-	53.00

5	स्वास्थ्य अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए अवसंरचना का विकास	मूल, अनुप्रयुक्त एवं क्लीनिकल अनुसंधान को बढ़ावा, समन्वयन और विकास - बहु–शाखीय अनुसंधान इकाइयां (MRUs)	21.75	21.75	20.51	-	-	-	32.00
		मॉडल ग्रामीण स्वास्थ्य अनुसंधान इकाइयों की स्थापना	5.50	5.50	2.41	-	-	-	8.00
6	भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (ICMR)		545.00	745.00	430.65	284.00	284.00	200.25	1090.00
7	भोपाल मैमोरियल हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर, भोपाल		40.00	40.00	21.61	100.00	100.00	78.55	188.00
8	*पूर्वोत्तर क्षेत्रों की परियोजनाओं/स्कीमों के लिए प्रावधान		75.00	75.00	-	-	-	-	75.00
	कुल		**750.00**	**950.00**	**528.48**	**394.80**	**394.80**	**284.18**	**1500.00**